राजस्थान में पशुपालन

➲ क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा प्रदेश है, जिसमें पूरे देश का लगभग **11 प्रतिशत** भौगोलिक हिस्सा शामिल है। राज्य में पशुपालन व कृषि एक-दूसरे के पूरक हैं और राज्य की ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली अधिकांश जनसंख्या की आजीविका कृषि एवं पशुपालन पर निर्भर है। पशुपालन कृषि व्यवसाय में जुटे लोगों को अकाल व अन्य अभाव की स्थितियों में बीमा की तरह सुरक्षा प्रदान करता है। प्रदेश के पशुपालक व किसानों की सकल घरेलू आय 30 से 50 प्रतिशत पशुपालन से ही प्राप्त होती है, जो कि कई परिवारों में 80 प्रतिशत या अधिक तक पाई गई है।

राजस्थान में पशुधन संख्या (20वीं पशुगणना 2019)

क्र. सं.	विवरण	पशु सम्पदा (संख्या लाख में)
1.	गौवंश	139.38
2.	भैंस वंश	136.93
3.	भेड़ वंश	79.04
4.	बकरी वंश	208.40
5.	घोड़ा/टट्टू वंश	0.34
6.	खच्चर वंश	0.23
7.	गधा वंश	2.13
8.	उष्ट्र वंश	1.55
9.	सूकर वंश	568001
	योग	**56800945**
10.	खरगोश	उपलब्ध नही है।
11.	कुत्ते	उपलब्ध नहीं है।
12.	कुक्कुट	146.23 लाख

20वीं पशुगणना (2019)

➲ राज्य में प्रथम पशुगणना दिसम्बर, 1919 से अप्रैल 1920 के बीच करवाई गई तथा एकीकृत राजस्थान बनने के पश्चात् राज्य में प्रथम पशुगणना वर्ष 1961 में सम्पन्न हुई। इसके पश्चात् वर्ष 1966, 1971, 1977, 1983, 1988, 1992, 1997, 2003, 2007 एवं 2012 में पशुगणना नियमित रूप से सम्पन्न करवायी जाती रही है। वर्ष 1977 से पूर्व केवल तहसील, ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के समंक ही प्रकाशित किये जाते थे। वर्ष 1977 से ग्रामवार जिला प्रतिवेदन के रूप में भी पशुगणना के समंक प्रकाशित किये जाने लगे हैं।

➲ राज्य में पशुगणना कार्य हेतु **राजस्व मण्डल अजमेर** में पशुगणना प्रकोष्ठ स्थापित है, जिसका प्रशासनिक विभाग पशुपालन विभाग, जयपुर है। 20वीं पशुगणना कार्य के संचालन हेतु संयुक्त निदेशक (सां.) राजस्व मण्डल, राजस्थान, अजमेर को शासन द्वारा राज्य पशुगणना अधिकारी नामित किया गया है। 20वीं पशुगणना का कार्य **1 अक्टूबर, 2018** से टेबलेट कम्प्यूटर के माध्यम से किया गया।

➲ 20वीं पशुगणना के अनुसार राजस्थान में कुल **568.01 लाख** पशुधन है। वर्ष 2012 की तुलना में वर्ष 2017 में राजस्थान के पशुधन में **1.66 प्रतिशत** की कमी हुई अर्थात् पशुधन 577.32 लाख से घटकर 568.01 लाख रह गया।

➲ 20वीं पशुगणना के अनुसार पशु सम्पदा की दृष्टि से राजस्थान का **देश में दूसरा स्थान** है। देश के कुल पशुधन का **10.58** प्रतिशत पशुधन राजस्थान में है।

➲ राजस्थान में देश का **7.20 प्रतिशत गौवंश, 12.47 प्रतिशत भैंस, 14% प्रतिशत बकरियाँ, 10.64 प्रतिशत भेड़** तथा **84.44 प्रतिशत ऊँट** हैं।

➲ 20वीं पशुगणना के अनुसार राजस्थान में पाये जाने वाले सर्वाधिक पशुओं का क्रम निम्न है- बकरी > गाय > भैंस > भेड़

➲ 20वीं पशुगणना में सर्वाधिक बढ़ोतरी भैंसों (5.53%) की संख्या में जबकि सर्वाधिक कमी (71.31%) गधों की संख्या में हुई।

➲ 20वीं पशुगणना के अनुसार भेड़, बकरी, ऊँट, घोड़े व गधों की संख्या में कमी देखी गई जबकि गाय व भैंसों की संख्या में बढ़ोतरी देखी गई।

➲ राज्य में सर्वाधिक कमी गधों (71.31%) व ऊँटों (34.69%) की संख्या में देखी गई। राज्य के कुल पशुधन में भेड़ व बकरियों की संख्या 50% से अधिक है।

20वीं पशुधन जनगणना, 2019 (अनंतिम)

सार तालिका : पशुधन की श्रेणीवार संख्या

क्र. सं	पशु	19वीं पशुगणना 2012	20वीं पशुगणना 2019	राज्य के कुल पशुधन का %	वृद्धि या कमी	
					संख्या	%
1.	गाय	13324462	13937630	24.54	613168	+4.60
2.	भैंस	12976095	13693316	24	717221	+5.53
3.	भेड़	9079702	7903857	13.92	–1175845	–12.95
4.	बकरी	21665939	20840203	36.69	–825736	–3.81
5.	घोड़ा एवं पोंनीज	37776	33679	0.06	–4097	–10.85
6.	खच्चर	3375	1339	0.002	–2036	–60.33
7.	गधे	81468	23374	0.04	–58094	–71.31
8.	ऊंट	325713	212739	0.37	–112974	–34.69
9.	सूअर	237674	154808	0.27	–82866	–34.87
10.	याक	0	0	-	0	0.00
11.	मिथुन	0	0	-	0	0
	कुल	**57732204**	**56800945**	**100**	**–956432**	**–1.61**
12.	मुर्गी	8024424	14622975		6598551	82.23

वार्षिक प्रतिवेदन पशुपालन विभाग 2019-20

पशुगणना (भारत और राजस्थान 2019)

क्र.सं.	जाति	भारत	राजस्थान	भारत (% में)	भारत में राजस्थान की रैंक
1.	गौवंश	192523359	13937630	7.20	6
2.	भैंस	109851678	13693316	12.47	2
3.	भेड़	74260615	7903857	10.64	4
4.	बकरी	148884786	20840203	14.00	1
5.	सूअर	9055488	154808	1.71	17
6.	घोड़ा और टट्टू	342226	33679	9.84	3
7.	खच्चर	84261	1339	1.59	9
8.	गधा	123587	23374	18.91	1
9.	ऊँट	251956	212739	84.43	I
10.	याक	57722	0	0.00	-
11.	मिथुन	386305	0	0.00	-
	कुल पशुधन	**535821983**	**56800945**	**10.60**	**2**

		राज्य में सर्वाधिक			राज्य में न्यूनतम		
क्र.सं	**पशु सम्पदा**	**प्रथम**	**द्वितीय**	**तृतीय**	**33वाँ**	**32वाँ**	**31वाँ**
1.	गौवंश	बीकानेर	जोधपुर	बाड़मेर	धौलपुर	करौली	सवाई माधोपुर
2.	भैंस	जयपुर	अलवर	भरतपुर	जैसलमेर	गंगानगर	प्रतापगढ़
3.	भेड़	बाड़मेर	जैसलमेर	पाली	बाँसवाड़ा	झालावाड़	बाराँ
4.	बकरी	बाड़मेर	जोधपुर	उदयपुर	धौलपुर	कोटा	भरतपुर
5.	घोड़ा	जालौर	बाड़मेर	जयपुर	डूँगरपुर	प्रतापगढ़	धौलपुर
6.	गधा और खच्चर	जैसलमेर	बाड़मेर	बीकानेर	चित्तौड़गढ़	प्रतापगढ़	करौली
7.	सुअर	जयपुर	भरतपुर	अजमेर	डूँगरपुर	जालौर	सिरोही
8.	ऊँट	जैसलमेर	बीकानेर	बाड़मेर	प्रतापगढ़	धौलपुर	बाँसवाड़ा
	कुल पशुधन	**बाड़मेर**	**जोधपुर**	**जयपुर**	**धौलपुर**	**कोटा**	**स. माधोपुर**

- **20वीं पशुगणना के अनुसार राज्य में पशुघनत्व–**
  सर्वाधिक– (1) डूँगरपुर (433) ; (2) बाँसवाड़ा (386), (3) दौसा (308)
  न्यूनतम– (3) बारां (110) ; (2) बीकानेर (90), (3) जैसलमेर (62)
- 20वीं पशुगणना के अनुसार राज्य का पशुघनत्व **166** है, जो 19वीं पशुगणना के मुकाबले 3 कम है। **19वीं पशुगणना** में राज्य का पशुघनत्व 169 था।

राजस्थान के जिलों का शुभंकर

जिला		वन्यजीव	जिला		वन्यजीव
अजमेर	:	खरमौर	अलवर	:	सांभर
बाँसवाड़ा	:	जलपीपी	बाराँ	:	मगर
बाड़मेर	:	मरू लोमड़ी	भरतपुर	:	सारस
भीलवाड़ा	:	मोर	बीकानेर	:	भट्ट तीतर
बूँदी	:	सुर्खाब	चित्तौड़गढ़	:	चौसिंगा
चूरू	:	काला हिरण	दौसा	:	खरगोश
धौलपुर	:	पंछीरा	डूँगरपुर	:	जंगली धोक
हनुमानगढ़	:	छोटा किलकिल	जैसलमेर	:	गोडावण
झुंझुनूं	:	काला तीतर	जालौर	:	भालू
झालावाड़	:	गगरोनी तोता	जोधपुर	:	कुरजाँ
करौली	:	घड़ियाल	कोटा	:	उदबिलाव
नागौर	:	राजहंस	पाली	:	तेंदुआ
राजसमंद	:	भेड़िया	प्रतापगढ़	:	उड़नगिलहरी
सवाई माधोपुर	:	बाघ	श्रीगंगानगर	:	चिंकारा
सीकर	:	शाहीन	सिरोही	:	जंगली मुर्गी
टोंक	:	हंस	उदयपुर	:	बिज्जू
जयपुर	:	चीतल			

प्रदेश में पशुधन का जिलेवार घनत्व
(Demographic Characteristic of Districtwise Livestock Census 2019 Density Rajasthan)

क्र.सं.		जिला	क्षेत्र (Sq. Kms.)	पशुधन की गणना 2019	पशुओं का घनत्व (Per Sq. km.)
1.		अजमेर	8481	2026623	239
2.		अलवर	8380	1867204	223
3.		बांसवाड़ा	4522	1746208	386 **II**
4.		बारां	6992	768014	110
5.		बाड़मेर	28387	5118824	180
6.		भरतपुर	5066	1228335	242
7.		भीलवाड़ा	10455	2385247	228
8.		बीकानेर	30239	2727900	90
9.		बूंदी	5776	896341	155
10.		चित्तौडगढ़	7822	1372775	176
11.		चुरू	13835	1616985	117
12.		दौसा	3432	1057533	308 **III**
13.		धौलपुर	3033	558481	184
14.		डूंगरपुर	3770	1632031	433 **I [सर्वाधिक]**
15.		गंगानगर	10978	1380093	126
16.		हनुमानगढ़	9656	1217607	126
17.		जयपुर	11143	2967602	266
18.		जैसलमेर	38401	2388992	62 **[न्यूनतम]**
19.		जालौर	10640	1661868	156
20.		झालावाड़	6219	897724	144
21.		झुंझुनूं	5928	1224345	207
22.		जोधपुर	22850	3652786	160
23.		करौली	5524	1027528	186
24.		कोटा	5217	625064	120
25.		नागौर	17718	2774211	157
26.		पाली	12387	2148876	173
27.		प्रतापगढ़	4449	1023841	230
28.		राजसमंद	4655	1089760	234
29.		सवाई माधोपुर	4498	757553	168
30.		सीकर	7732	1978728	256
31.		सिरोही	5136	926938	180
32.		टोंक	7194	1154663	161
33.		उदयपुर	11724	2875092	245
		कुल	342239	56775772	166

[प्रगति प्रतिवेदन 2019-20 : पशुपालन विभाग, राजस्थान]

राजस्थान में वन संसाधन

एक नजर में

प्रदेश का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल	:	**3,42,239 वर्ग किमी.**
प्रदेश का कुल वन क्षेत्र	:	**32,864.62 वर्ग किमी.**
कुल भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिशत वन क्षेत्र		**9.60 प्रतिशत**
प्रदेश का कुल वनावरण	:	**16,654.96 वर्ग किमी.**
वृक्षावरण	:	**8,733 वर्ग किमी.**
वनावरण एवं वृक्षावरण	:	**25387.96 वर्ग किमी.**
राज्य पशु	:	**चिंकारा एवं ऊंट**
राज्य पक्षी	:	**गोडावण**
राज्य वृक्ष	:	**खेजड़ी**
राज्य पुष्प	:	**रोहिड़ा**
राष्ट्रीय उद्यान	:	**3**
वन्यजीव अभयारण्य	:	**27**
कंजर्वेशन रिजर्व	:	**22**
बाघ परियोजनाएं	:	**4 (रणथम्भौर, सरिस्का, मुकन्दरा हिल्स एवं रामगढ़ बिषधारी)**
रामसर स्थल	:	**2 (केवलादेव नेशनल पार्क एवं सांभर झील)**
कुल प्रादेशिक मण्डल	:	**38**
वन्यजीव मण्डल	:	**16**

- वर्तमान में राजस्थान में बाघ परियोजनाओं की संख्या **चार** हो गई है।
- 16 मई, 2022 को राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी करके बूँदी के **रामगढ़ विषधारी अभयारण्य** को प्रदेश का नया बाघ (टागइर) रिजर्व बनाया गया है।
- रामगढ़ विषधारी अभयारण्य राज्य का **चौथा टाइगर रिजर्व** होगा।
- रामगढ़ टाइगर रिजर्व का कौर एवं बफर एरिया लगभग 1500 वर्ग किलोमीटर है। इसमें रामगढ़ अभयारण्य का 225 वर्ग किलोमीटर एवं चम्बल घडियाल सेंचुरी का 256 वर्ग किलोमीटर एवं बफर एरिया 1019 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र शामिल है।

भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2021

राजस्थान में सर्वाधिक वन क्षेत्र वाले 5 जिले	
1.	उदयपुर (2753.39 वर्ग किमी.)
2.	अलवर (1195.91 वर्ग किमी.)
3.	प्रतापगढ़ (1033.77 वर्ग किमी.)
4.	बाराँ (1010.05 वर्ग किमी.)
5.	चित्तौड़गढ़ (990.05 वर्ग किमी.)

राजस्थान में सर्वाधिक वन प्रति. वाले 5 जिले	
1.	उदयपुर (23.49 प्रतिशत)
2.	प्रतापगढ़ (23.24 प्रतिशत)
3.	सिरोही (17.49 प्रतिशत)
4.	बाराँ (15.28 प्रतिशत)
5.	अलवर (14.45 प्रतिशत)

राजस्थान में न्यूनतम वन क्षेत्र वाले 5 जिले	
1.	चूरू (77.69 वर्ग किमी.)
2.	हनुमानगढ़ (92.97 वर्ग किमी.)
3.	जोधपुर (109.25 वर्ग किमी.)
4.	गंगानगर (115.09 वर्ग किमी.)
5.	दौसा (116.6 वर्ग किमी.)

राजस्थान में न्यूनतम वन प्रतिशत वाले 5 जिले	
1.	जोधपुर (0.48 प्रतिशत)
2.	चूरू (0.56 प्रतिशत)
3.	जैसलमेर (0.84 प्रतिशत)
4.	बीकानेर (0.92 प्रतिशत)
5.	हनुमानगढ़ (0.96 प्रतिशत)

राजस्थान के वन संसाधन : एक परिचय

- भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून अनुसार $23^0 40'$ एवं $30^0 11'$ उत्तरी अक्षांश तथा $69^0 29'$ एवं $78^0 17'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित 342239 वर्ग किमी भौगोलिक क्षेत्रफल पर विस्तृत राजस्थान, क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है।
- राज्य के भौगोलिक क्षेत्रफल के 9.60 प्रतिशत भू-भाग पर वन क्षेत्र है तथा अभिलेखित वन क्षेत्र की दृष्टि से 15वें स्थान पर है
- राज्य का उत्तरी-पश्चिमी भाग मरूस्थलीय या अर्द्धमरूस्थलीय हैं, जो कुल क्षेत्रफल का लगभग **61 प्रतिशत** है। राज्य के लगभग 30 प्रतिशत क्षेत्र पर अरावली पर्वत श्रृंखलाएं यत्र-तत्र विद्यमान है।
- अरावली पर्वत श्रृंखला राज्य के मरूस्थलीय एवं गैर मरूस्थलीय भागों को अलग करती है।

वैधानिक दृष्टि से राज्य में वनों की स्थिति

- प्रदेश में कुल अभिलेखित वनक्षेत्र (Recorded forest Area) 32864.62 वर्ग किमी. है। राजस्थान वन अधिनियम 1953 के प्रावधानों के अनुरूप वैधानिक दृष्टि से उक्त वन क्षेत्र को निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है :-

क्र. सं.	वैधानिक स्थिति	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)	प्रतिशत
1.	आरक्षित वन (Reserve Forest)	12176.24	37.05
2.	रक्षित वन (Protected Forest)	18564.45	56.49
3.	अवर्गीकृत वन (Unclassed Forest)	2123.93	6.46
	योग	**32864.62**	**100**

भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2021

- देहरादून स्थित भारतीय वन सर्वेक्षण (Forest Survey of India) द्वारा वन एवं वन संसाधनों के आंकलन के लिये 1987 से प्रत्येक दो वर्ष पर सुदूर संवेदन (Remote Sensing) आधारित उपग्रह चित्रण के माध्यम से देश में वनों एवं वृक्षों की स्थिति पर 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट' जारी की जाती है।
- भारतीय दूर-संवेदी उपग्रह (IRS Resourcesat-2 LISS III Satellite) से माह अक्टूबर से दिसम्बर, 2019 की अवधि में प्राप्त आँकड़ों का उपयोग किया जाकर भारत वन स्थिति रिपोर्ट (India State of Forest Report)-2021 जारी की गई जो इस श्रृंखला में 17वीं रिपोर्ट है। **[जनवरी, 2022 में जारी]**
- इस रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान राज्य के क्रम में प्रकाशित सूचना के मुख्य अंश निम्नानुसार है :-

Forest Cover in Rajasthan

	Area (in Sq Kms)	% of Geographical Area
VDF- Very Dense Forest (>70% Crop Density)	78.15	0.02
MDF- Moderately Dense Forest (40-70% Crop Density)	4368.65	1.28
OF- Open Forest (10-40% Crop Density)	12208.16	3.57
Total	16654.96	4.87
Scrub (<10% Crop Density)	4808.51	1.41

Percentage area under different forest types of Rajasthan

S.No.	Forest	% of Forest Cover
1	Very Dry Teak Forest	4.92
2	Dry Teak Forest	0.22
3	Northern Dry Mixed Deciduous Forest	38.78
4	Dry Deciduous Scrub	10.92
5	Dry Savannah Forest	0.01
6	Anogeissus Pendula Forest	14.78
7	Anageissus pendula Scrub	2.45
8	Baswellia Forest	0.71
9	Butea Forest	0.25
10	Aegle Forest	0.01
11	Phoenix/ savannah Forest	0.01
12	Dry Tropical Riverain Forest	0.23
13	Khair Sissu Forest	1.42
14	desert Thorn Forest	3.80
15	Ravine Thorn Forest	1.54
16	Zizyphus Scrub	0.77
17	Tropical Eupharbia Scrub	0.01
18	Eupharbia Scrub	0.62
19	Acacia senegal Forest	0.22
20	Desert Dune Scrub	4.53
21	Plantation/ Tree Outside Forests (TOF)	13.80
	Total	**100**